

भारत ने 2025 का पहला खो-खो विश्व कप जीता

[स्रोत: द हिंदू](#)

भारत ने पहली बार आयोजित खो-खो विश्व कप 2025 के फाइनल में नेपाल को हराकर पुरुष और महिला दोनों खो-खो विश्व चैंपियन खिताब जीता।

- **खो-खो विश्व कप 2025:** इस टूर्नामेंट को [भारतीय ओलंपिक संघ \(IOA\)](#) का समर्थन प्राप्त था, इसमें दोनों डिवीजनों (पुरुष और महिला) के लिये गुरुप चरण और नॉकआउट शामिल थे।
- **खो-खो का ऐतिहासिक महत्व:** यह भारत के सबसे पुराने पारंपरिक टैग खेलों में से एक है, ऐसा माना जाता है कि इसका विकास [महाभारत के युद्ध प्रारूप चक्रव्यूह](#) से हुआ है, जो खो-खो के रंगि खेल के समान एक रक्षात्मक रणनीति है।
 - विशेषज्ञों का मानना है कि खो-खो की शुरुआत [महाराष्ट्र](#) में हुई थी और इसे शुरू में रथों पर खेला जाता था। आधुनिक फुट संस्करण [प्रथम विश्व युद्ध के दौरान वर्ष 1914](#) में सामने आया, जब [पुणे के डेक्कन जमिखाना क्लब](#) ने अपने नियमों और संरचना को औपचारिक रूप दिया।
 - खो-खो टीम में **9 सक्रिय खिलाड़ी** होते हैं, जसमें 3 वकिल्प उपलब्ध होते हैं। खिलाड़ी बारी-बारी से [वशिधियों का पीछा करते हैं, बचाव करते हैं और टैग करते हैं](#)।
 - खो-खो का प्रदर्शन **वर्ष 1936 के बर्लिन ओलंपिक** में [कबड्डी और मल्लखंब](#) जैसे अन्य स्वदेशी भारतीय खेलों के साथ किया गया था।
- **बढ़ती लोकप्रियता:** खो-खो की वैश्विक पहुँच वर्ष 2020 में 6 देशों से बढ़कर वर्ष 2025 में 55 हो गई है। अंतर्राष्ट्रीय खो-खो महासंघ (IKKF) का लक्ष्य [वर्ष 2036 तक 90 देशों तक वसितार कर ओलंपिक](#) में शामिल करना है।

और पढ़ें: [वर्ष 2036 के ओलंपिक की मेज़बानी के लिये भारत का आशय पत्र](#)